Semester II

Pedagogy History 7 A

Unit VI: Examination and Evaluation of History

a. Introduction
b. Meaning of Evaluation
c. Difference Between Evaluation And Measurement
d. Purpose of Evaluation
e. Techniques of Evaluation.
f. Essay Type Test.
g. New Type Tests or objective Type Tests
h. Types of objective Type Tests.
i. Defects of New Type Tests.
j. comparative study of objective Type And Essay Type Tests.
K. History Teacher And Evaluation Programme.
L. Specific Aims of History Teaching At The Secondary stage.

By.

Dr. Asha Kumari Gupta.

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

इतिहास में मूल्यांकन
[EVALUATION IN HISTORY]

"Evaluation should not consist only is testing knowledge but should take note of changes in pupil's understandings, skills, attitudes and interests." —**R. K. Kapur,** Director of DEPSE

विषय-प्रवेश
(INTRODUCTION)

मूल्यांकन शैक्षिक प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। मूल्यांकन केवल शैक्षिक प्रक्रिया का ही नहीं वरन् जीवन की प्रत्येक क्रिया का महत्त्वपूर्ण अंग है। हमारे जीवन का प्रत्येक क्षेत्र मूल्यांकन की अपेक्षा करता है। जिस प्रकार डॉक्टर अपनी दवा की उपयोगिता का मूल्यांकन रोगी में होने वाले परिवर्तन के अनुसार करता है, उसी प्रकार शिक्षक अपने अध्यापन की उपयोगिता का मूल्यांकन बालकों के व्यवहार परिवर्तनों का मूल्यांकन करके करता है; मूल्यांकन के अभाव में हमारी समस्त क्रियाएँ मूल्यहीन बन सकती हैं क्योंकि मूल्यांकन से सफलताओं, विफलताओं, कठिनाइयों आदि का यथेष्ट रूप से निर्धारण हो जाता है जिसके फलस्वरूप हम भविष्य के लिए सतर्क हो जाते हैं।

मूल्यांकन का अर्थ
(MEANING OF EVALUATION)

मूल्यांकन की आधुनिक संकल्पना (Concept), जो मुख्यत: हाल के दशकों में हुई है, यद्यपि यह विकास बहुत धीमी गति से हुआ है, शिक्षा के एक अपेक्षाकृत नवीन दर्शन से उद्‌भूत हुई है, जो छात्रों की वृद्धि और विकास के मूल्यांकन के लिये अधिक उपयुक्त प्रविधियों पर बल देता है। नवीन शिक्षा-दर्शन से न केवल अवधारणाओं (concepts), ज्ञान, योग्यताओं तथा आदतों के विकास के लिए, बल्कि अभिवृत्तियों, गुण-दोष विवेचन, रुचियों, चिन्तन शक्तियों और वैयक्तिक सामाजिक व्यवस्थापन की

Scanned with CamScanner

दृष्टि से छात्र की वृद्धि के उद्दीपन के लिए शिक्षक के उत्तरदायित्व पर भी बल दिया है। ये उद्देश्य क्योंकि शैक्षिक कार्य-प्रणालियों में स्पष्ट और परिभाषित हुए हैं, इसलिए मूल्यांकन के उचित उपाय—औपचारिक तथा अनौपचारिक, दोनों विद्यालयों के कार्यक्रमों की पर्याप्तता तथा उपयुक्तता को आँकने के लिए निकाले गये हैं।

आधुनिक मूल्यांकन अनेक दृष्टियों से प्राचीन मूल्यांकन से निम्नलिखित बातों में भिन्न हैं—

1. यह केवल विषय-वस्तु की निष्पत्ति (Achievement) को मापने के बजाय आधुनिक विद्यालय के पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के व्यापक क्षेत्र को मापने का प्रयास करता है।
2. यह मूल्यांकन की अनेक प्रविधियों का प्रयोग करता है, जैसे—निष्पत्ति, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व तथा चरित्र के परीक्षण। इन्हीं में क्रम-निर्धारण, मान, प्रश्नावलियाँ, साक्षात्कार, नियन्त्रित परीक्षण (Controlled observation) की प्रविधियाँ तथा घटनावृत्त भी शामिल हैं।
3. आधुनिक मूल्यांकन में व्यवहार के इन सूचकों का एकीकरण और व्याख्या कर उनसे एक व्यक्ति अथवा संस्था का एक सम्मिलित या समग्र चित्र तैयार करना भी शामिल है।

शिक्षा में मूल्यांकन का प्रयोग वर्तमान शताब्दी की घटना है। ग्रीन व अन्य के अनुसार, "शिक्षा में मूल्यांकन अभी तक एक नवीन धारणा है। इसका प्रयोग विद्यालय-कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, शैक्षिक सामग्री, शिक्षक एवं बालकों की जाँच (Appraisal) के लिए किया जाता है।" इसके द्वारा शिक्षण-उद्देश्यों, सीखने के अनुभवों तथा परीक्षणों में घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित किया जाता है। **शिक्षा-आयोग** (1964-66) ने अपने प्रतिवेदन में मूल्यांकन की धारणा को इन शब्दों में व्यक्त किया है—**"मूल्यांकन एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जो शिक्षा-प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। इससे छात्र की अध्ययन-आदतों तथा शिक्षक की शिक्षण-पद्धति पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। मूल्यांकन की प्रविधियाँ वांछित दिशाओं में छात्रों के विकास के विषय में प्रमाण संग्रहीत करने के साधन हैं।"**

मूल्यांकन के अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए नीचे कुछ परिभाषाएँ दी जा रही हैं—

1. मोफात—"मूल्यांकन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है और यह छात्रों की औपचारिक शैक्षिक उपलब्धि की अपेक्षा अधिक है। यह व्यक्ति के विकास में अधिक रुचि रखता है। यह व्यक्ति के विकास को उसकी भावनाओं, विचारों तथा क्रियाओं से सम्बन्धित वांछित व्यवहार परिवर्तनों के रूप में व्यक्त करता है।"

"Evaluation is a continuous process and is concerned with more than the formal academic achievement of students. It is interested in the development of individual in terms of desirable behaviour changes in relation to his feeling, thinking and actions."

—Moffatt

Scanned with CamScanner

2. वेस्ले—"मूल्यांकन में मापन निहित है, परन्तु उसका क्षेत्र उन क्षेत्रों में व्यापक है जिसमें वस्तुनिष्ठ मापनों का प्रयोग किया जा चुका है।"

"Evaluation includes measurement but it extends far beyond the areas to which objective measurement have been applied." **—E.B. Wesley**

3. टॉरगर्सन व एडम्स—"किसी प्रक्रिया या वस्तु के महत्त्व का निर्धारण ही मूल्यांकन करना है। अतः शिक्षण-प्रक्रिया या सीखने के अनुभव की उपादेयता की मात्रा के सम्बन्ध में निर्णय करना ही शैक्षिक मूल्यांकन है।"

"To evaluate is to ascertain the value of some process or thing. Thus educational evaluation is the passing judgement on the degree of worth-whileness of some teaching process or learning experience."

—Torgerson and Adams

4. क्विलिन व हन्ना—"छात्रों के व्यवहार में विद्यालय द्वारा लाये गये परिवर्तनों के विषय के प्रमाणों के संकलन तथा उसकी व्याख्या करने की प्रक्रिया ही मूल्यांकन है।"

"Evaluation is the process of gathering and interpreting evidence on changes in the behaviour of the students as they progress through school."

—Quilen and Hanna

उपर्युक्त विवेचन से मूल्यांकन की निम्नलिखित विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं—

1. मूल्यांकन एक प्रक्रिया है जो निरन्तर चलती रहती है।
2. मूल्यांकन परीक्षण का एक व्यापक पद है जिसमें मापन (Measurement) तथा जाँच (Appraisal) दोनों का समावेश है।
3. मूल्यांकन वर्णनात्मक होने के साथ-साथ संख्यात्मक भी होता है।
4. मूल्यांकन छात्र के सम्पूर्ण व्यक्तित्व से सम्बन्धित है।
5. मूल्यांकन में छात्रों के व्यवहार के विषय में सामग्री एकत्रित करने के समस्त साधन निहित रहते हैं।
6. मूल्यांकन केवल निर्देश (Instruction) की उपलब्धि को ही नहीं जाँचता वरन् उसको उन्नत भी बनाता है।
7. मूल्यांकन सम्पूर्ण शिक्षा-प्रणाली का एक महत्त्वपूर्ण अंग है, जो शिक्षा के उद्देश्यों से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित रहता है।

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner